

# हिंदी



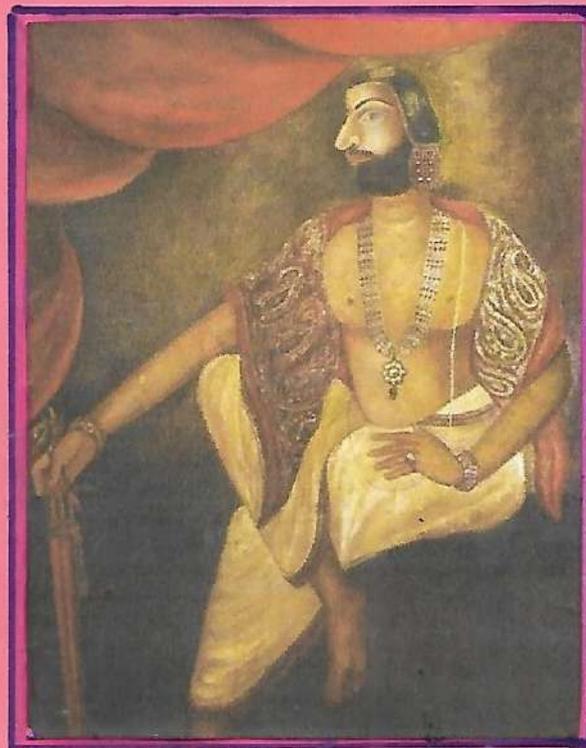
मुकुंद लोहिया

कक्षा : पंचम - ब्लूबेल्स

विषय - केरल की समृद्धि की जड़ - अतीत के पन्नों में

# आधुनिक त्रावणकोर कैश्यता - मारुण्ड वर्मा

युरोपीय ताकतों पर रशियाई  
साम्राज्य की पहली विजय



शूरवीर मारुण्ड वर्मा

मुझे मारुण्ड वर्मा का वह कदम अच्छा  
लगा जब वे उच्च कमान्डर डी लोनाय को उसके द्वार के बाहर  
सजाने देकर त्रावणकोर की सेना की आधुनिक बनाने की जिम्मेदारी  
उस पर सौंपी। ऐसा करने से त्रावणकोर की सेना आधुनिक  
तथा सशक्त हो पाई।



केरल की समृद्धि की  
जड़ - महाराज मारुण्ड  
वर्मा की दूरदर्शिता

## अति की छत्र - आज का सम्पन्न और समृद्ध केंद्र

वसीयो की छुटी में मरें वन द्वारा बनाये गये टाइम मशीन को पररक के लिये एक दिन में उस मशीन में बैठ गया और पहुच गया १७४१ के समय और समृद्ध ब्रावणकार राज्य के राजधानी पड़मानभुडरम में। जानकारी प्राप्त करने पर पता चला की यह राज्य अपने खाद्य मसालों के लिये पूरे विश्व में जाना जाता था और यहा डच इस्ट इंडिया कं. नामक कं. मसालों का निर्यात करती थी जिससे काफी मुनाफा होता था।

क्योंकी गोल मिर्च उस समय साने से भी ज्यादा महंगी थी। यहा के राजा मारतण्ड कर्मा अपने साहस और बुद्धि की वजह से



अपने छोसी राज्या पर विजय प्राप्त कर चुके थे जि ससे नाराज पडासी राजाओं ने मारतण्ड कर्मा के दुश्मन डच इस्ट इंडिया कं. के साथ मिलकर ब्रावणकार पर भिषण आक्रमण कर दिया पर राजा मारतण्ड कर्मा ने अपने कौ बुद्धि, साहस और मधुसारी की मदद से आधुनिक दृष्टीयारी वाली



सैना की दशा द्विया पराजित कमांडर डी लॉन्ग की अपनी सैना में रख  
लिया तथा उन्हें कीड सजा नहीं दी। वल्कि उसे अपनी सैना की आधुनिक  
कारों की आज़िज़्मदारी सौंपी। राजा के उस क़दम से त्रावणकोर एक  
आधुनिक समृद्ध और सुखीत राज्य बन गया।



जब मैं राजा की विजय की बधाई देने गया तो मैं  
राजा से अनुरोध किया कि वे तम्बाकू का कारोबार  
बंद कर दें क्योंकि तम्बाकू जान लेना हाना है। उन्होंने कहा कि वे इसे

विषय पर अवश्य विचार करेंगे। मैं राजा को धन्यवाद देकर  
चला गया। फिर मैं राजसमझ के नज़दीक रथे हुए टाइम नशीब कि मज़ह  
से अपनी घर पहुँच गया।

मुझे यह भी पता चला कि राजा सार्तण्ड वमी ने अपनी राज्य  
की सौंप कर भगवान की त्रावणकोर का राजा का द्विया तथा  
वे भगवान के दास बन कर राज्य कि देख-रेख कर रहे हैं।



